साप्ताहिक
विश्वास का तीर
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-35 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 09 अगस्त 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

मप्र में सभी निवेशकों का हैं स्वागतः सीएम मोहन

मुख्यमंत्री ने आईटी सेक्टर की राउंड-टेबल मीटिंग में किया आहवान

विश्वास का तीर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम सेक्टर के सभी निवेशकों और उद्योगपतियों का मध्यप्रदेश में निवेश के लिये आहवान करते हुए स्वागत किया है। उन्होंने राउंड-टेबल मीटिंग में संवाद करते हुए कहा कि निवेशकों और उद्योगपतियों को आईटी और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में निवेश करने पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेंगलुरु में इन्वेस्ट मध्यप्रदेश अंतर्गत इंटरैक्टिव सेशन में आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम सेक्टर की राउंडटेबल मीटिंग में निवेशकों और उद्योगपतियों से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम सेक्टर की मांग को पूरा करने के लिए प्रदेश के एक्सीलेंस कॉलेज, आईटीआई और विश्वविद्यालयों में रोजगार परक कोर्सेस का संचालन किया जा रहा है। इनसे इस सेक्टर में मानव संसाधन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में हरसंभव मदद मिलेगी। यह क्षेत्र वर्तमान परिदृश्य में सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला है। इंटरैक्टिव सेशन में वैश्विक व राष्ट्रीय परिदृश्य में आईटी में किये जा रहे प्रयासों व क्षेत्र की आवयश्कता के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा हुई। निवेशकों और उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में आईटी क्षेत्र की प्रगति के लिए निवेशकों और उद्योगपतियों ने टेक्नीशियन की उपलब्धता, क्रिएटिव डिजाइनर, इनक्यूबेटर की सुविधा, यूनिकॉर्न और स्टार्ट-अप के लिए इको सिस्टम, कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग, आईटी यूनिवर्सिटी, फंड मैनेजमेंट आदि पर विचार रखे और सकारात्मक सुझाव दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दो दिवसीय बेंगलुरु यात्रा के दौरान मैंने बेंगलुरु के विभिन्न सेक्टर के उद्योगपतियों से संपर्क कर मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही उनके अनुभव, परामर्श एवं कौशल का लाभ मध्यप्रदेश को भी प्राप्त हो, यह यात्रा निवेश के साथ साथ दोनों प्रदेश के आपसी भाईचारे एवं मिलकर राष्ट्रीय विकास के लिये समग्र प्रयास किए जाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने आज बेंगलुरू में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए अपने दो दिवसीय बेंगलुरू यात्रा के दौरान मिली उपलब्धियों को साझा किया।

इन्टरेक्टिव सेशन

मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर इन्टरेक्टिव सेशन का आयोजन कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में किया गया। बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से भी जाना जाता है।

बेंगलुरु, आई. टी., गारमेंट, एयरोस्पेस एवं डिफेन्स, एवं फार्मा जैसे विभिन्न मैन्युफैक्चरिंग उद्योग सेक्टर हेतु जाना जाता है।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा बेंगलुरु में इंटरेक्टिव सेशन आयोजित कर आई.टी., टेक्सटाइल एवं गारमेंट, फार्मा जैसे उद्योग सेक्टर के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया।

एचएएल का भ्रमण

हिंदुस्तान ऐरोनाटिक्स लिमिटेड का भ्रमण किया गया एवं हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड द्वारा ऐरोस्पेस एवं रक्षा संबंधी बनाये जा रहे विभिन्न उत्पादों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। हिंदुस्तान ऐरोनाटिक्स लिमिटेड द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं के संबंध में विचार विमर्श किया गया। प्रथम दिनस्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर एवं नैसकॉम जो कि आईटी कंपनियों की ख्यातिनाम संस्था है, के प्रतिनिधियों के साथ राउंडटेबल चर्चा की गई। इस चर्चा में बेंगलुरु में स्थापित प्रमुख कंपनियों Infosys, Cognizant, TCS, Happiest Minds, SAPइत्यादि शामिल हुई। इन कंपनियों से मध्यप्रदेश में आईटी के विकास और उनके भविष्य की योजनाओं के संबंध में चर्चा की गई।

8 अगस्त को इन्टेरेक्टिव सेशन का आयोजन

500 से अधिक प्रतिभागियों ने भागीदारी की जिसमे कर्नाटक राज्य एवं आसपास के राज्यों के निवेशकों ने सहभागिता की। 30 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन मीटिंग की गई, जिसमें से लैप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, एन वीडिया (Nvidia). Google, डीएचएल ग्लोबल, टेक महिंद्रा, ग्रो, माइक्रोसॉफ्ट, केनेस टेक्नोलॉजी, ए जी आई ग्लासपैक एवं किर्लोस्कर सिस्टम्स प्रमुख हैं। एन वीडिया ने मध्य प्रदेश को भारत की इंटेलिजेंस राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए एक ब्लूप्रिंट तैयार करने का सुझाव दिया। Google क्लाउड ने कुशल कार्यबल को बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश में स्टार्टअप हब और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव दिया। 10 से अधिक औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की :- नैसकॉम कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज , आइएसा, एक्लिना, टाई, सीआईएमआई , कसिआ फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन , एपेरल एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल एवं फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैम्बर एंड कॉमर्स आदि के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में 15 से अधिक अन्तर्राष्ट्रीय राजनयिक मिशनों की भागीदारी

बेंगलुरू इवेंट में 15 से अधिक राजनयिक मिशन ने सहभागिता की। इसमें ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, इटली और फ्रांस के महावाणिज्यिकों के साथ ब्रिटेन के उप उच्चायुक्त और फिनलैंड, पोलैंड, कंबोडिया, मोरक्को, पेरू, ट्यूनीशिया, नामीबिया, स्पेन इत्यादि के मानद वाणिज्य दूत शामिल हुए।

4 विभाग द्वारा दिए गए प्रेजेन्टेशन

- औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग
- साइंस एवं टेक्नोलॉजी
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग
- पर्यटन विभाग।

भोपाल में लुटेरों की लैंग्वेज के आधार पर तलाश

मैनेजर से कहा था- हिले भी तो उड़ा देंगे; लोकल बदमाशों से भी पूछताछ

विश्वास का तीर

भोपाल में विधायक और सांसदों की मल्टी स्टोरी बिल्डिंग रचना टॉवर में बुधवार सुबह 12 लाख की लूट हो गई थी। यहां एक फ्लैट में बने शराब कंपनी के दफ्तर में घुसकर दो बदमाशों ने मैनेजर को कट्टा अड़ाया। फिर रुपयों से भरा बैग ले भागे। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। क्राइम ब्रांच सहित भोपाल जोन-2 पुलिस की पांच टीमें आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक- रचना टॉवर में शराब कंपनी का दफ्तर अवैध रूप से चलाया जा रहा है। इधर, पुलिस ने रचना टावर लूट मामले में पुलिस ने आरोपियों का सुराग देने पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है।

सुबह 6.30 बजे कॉलोनी में दाखिल हुए बदमाश

जिस सीनियर एमआईजी फ्लैट एसआर-108 में शराब कंपनी का दफ्तर चल रहा है, वह पूर्व विधायक संतोष साहू का है। केस के फरियादी मैनेजर श्याम सुंदर जायसवाल के बयान गोविंदपुरा पुलिस ने दर्ज कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों को नहीं जानते, पहले उन्हें कभी देखा भी नहीं। दोनों की उम्र 25-30 साल के बीच रही होगी। आरोपियों ने कट्टा उड़ाने के बाद हाथ पीछे रखने के लिए कहा। किसी भी तरह की हरकत करने पर भेजा उड़ा देने की धमकी दी थी। लिहाजा मैने कोई विरोध नहीं किया। उन्हें कलेक्शन से भरे बैग को दिखा दिया। आरोपी उसे लेकर भाग निकले। साथ ही पुलिस को बताया कि दोनों बदमाश भाषा से स्थानीय लग रहे थे। गोविंदपुरा पुलिस के मुताबिक आरोपी कॉलोनी में मेन गेट से दाखिल हुए थे। निकलने के लिए भी उन्होंने इसी रास्ते का इस्तेमाल किया। दोनों बदमाश सुबह 6:30 बजे कॉलोनी में दाखिल हुए, ऐसे प्रमाण भी पुलिस को मिले हैं। करीब दो घंटे तक वह कॉलोनी में रहे और वारदात को अंजाम देकर निकल गए। घटना के समय कॉलोनी के मेन गेट पर तीन गार्ड तैनात थे। इसके बाद भी आरोपियों ने रजिस्टर में आने और जाने वालों की एंट्री नहीं की। कॉलोनी के सभी सीसीटीवी कैमरे बंद थे। पुलिस कॉलोनी में ड्यूटी करने वाले सभी गार्ड्स से भी पूछताछ कर रही है। डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि वारदात के समय फ्लैट में मौजूद वीरेंद्र गुप्ता, विकास और घर के कुक के भी बयान दर्ज किए जा रहे हैं। सभी से अलग-अलग पूछताछ की जाएगी। मामले की जांच सभी एंगल पर की जा रही है।

लोकल बदमाशों से भी पूछताछ

घटना के बाद पुलिस ऐशबाग, अशोका गार्डन,एमपी नगर गोविंदपुरा और आसपास के इलाके में रहने वाले बदमाशों से पूछताछ कर रही है। आरोपियों के फुटेज मुखबिरों को दिए गए हैं। हालांकि बदमाशों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस हुलिया के आधार पर उनकी तलाश में जुटी है।

कर्मचारी का नाम लेकर खुलवाया दरवाजा

गोविंदपुरा पुलिस ने बताया- रचना टॉवर के फर्स्ट फ्लोर पर फ्लैट नंबर स्क्र108 में एक शराब कंपनी का दफ्तर है। बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे दो लोग यहां पहुंचे। उन्होंने दरवाजा खटखटाया। दरवाजा नहीं खुला तो शराब कंपनी के कर्मचारी वीरेंद्र गुप्ता के नाम से आवाज लगाई। 63 वर्षीय मैनेजर श्याम सुंदर जायसवाल ने दरवाजा खोला। बदमाशों ने वीरेंद्र गुप्ता के बारे में पूछा। इस पर श्याम सुंदर ने दोनों को दफ्तर के अंदर बैठा लिया।

पीने के लिए पानी मांगा, फिर कट्टा अड़ाया

बदमाशों ने पीने के लिए पानी मांगा तो श्याम सुंदर किचन की तरफ बढ़े। उनके मुड़ते ही बदमाशों ने कट्टा निकाला और पीठ पर लगा दिया। फिर दफ्तर में रखे कैश के बारे में पूछने लगे। नहीं बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरे-सहमे मैनेजर ने फ्लैट के फर्स्ट फ्लोर पर रुपए रखे होने की बात कही। बदमाश उन्हें लेकर फर्स्ट फ्लोर पर पहुंचे। यहां रुपयों से भरा बैग उठाया और वापस नीचे आ गए। यहां श्याम सुंदर को धक्का देकर भाग निकले।

3 कर्मचारी सोते रहे, 15 मिनट 23 सेकेंड में वारदात

एसीपी दीपक नायक ने बताया कि जिस वक्त लूट हुई, फ्लैट में मैनेजर श्याम सुंदर सहित चार कर्मचारी थे। श्याम सुंदर गेट खोलने के लिए कमरे में सो रहे दूसरे कर्मचारियों को बताए बिना गए थे। वारदात के दौरान तीन कर्मचारी सो रहे थे। आरोपी फ्लैट में 15 मिनट 23 सेकेंड रहे। उन्होंने सो रहे युवकों के दोनों रूम को लॉक कर दिया था। वारदात के बाद मैनेजर ने अंदर मौजूद तीनों साथियों को शोर मचाकर जगाया। दोनों लॉक रूम को खोला और आरोपियों की तलाश बिल्डिंग में की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

दो दिन से बंद कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरे

रचना टॉवर में रहने वाले पूर्व बीजेपी विधायक अजीत सिंह ने बताया कि बिल्डिंग के अधिकतर फ्लैट्स ब्रोकर्स के माध्यम से किराए पर दिए गए हैं। कई फ्लैट का कमर्शियल यूज किया जा रहा है। इसकी शिकायतें आवास संघ सहित स्थानीय पुलिस से कई बार की जा चुकी है। लेकिन, न ही पुलिस ने ध्यान दिया और न ही आवास संघ ने। कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरे भी दो दिन से बंद हैं। वहीं, डीसीपी का कहना है कि जिम्मेदारों को किराएदारों का वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए हैं। यह भी

चेक किया जा रहा है कि जिस फ्लैट में लूट हुई वहां के किराएदारों का वेरिफिकेशन कराया गया था या नहीं।

दो दिन पहले भी हुई थी लूट की कोशिश

शराब कंपनी के एक मैनेजर विजेंद्र गुप्ता इसी बिल्डिंग के दूसरे फ्लैट में रहते हैं। दो दिन पहले कॉलोनी के मुख्य गेट के सामने विजेंद्र के साथ लूट की कोशिश हुई थी। वे इसकी शिकायत करने थाने गए थे, चूंकि आरोपी बैग झपटने में नाकाम हो गए थे, इसलिए पुलिस ने केस दर्ज किए बगैर उन्हें थाने से लौटा दिया था। इस घटना के समय विजेंद्र के पास 8 लाख रुपए थे।

दो साल से भोपाल में रह रहे हैं जायसवाल

श्याम सुंदर जायसवाल मूल रूप से भिलाई, छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। शराब ठेके के संबंध में बीते दो साल से रचना टॉवर में रह रहे हैं। उनकी कंपनी की शहर में तीन शराब दुकानें हैं। दुकानों का डेली कलेक्शन का हिसाब श्याम सुंदर और वीरेंद्र गुप्ता के हाथ रहता है। कलेक्शन का पैसा इसी फ्लैट में लाया जाता है। यह रकम किस बैंक के किस खाते में जमा होनी है, यह भी दोनों मैनेजर ही तय करते हैं।

सांसद-विधायकों के लिए बनाए गए थे फ्लैट

रचना टॉवर में फ्लैट का निर्माण आवास संघ ने कराया है। शुरुआत में सांसद-विधायकों के लिए फ्लैट बेचने की कंडीशन रखी गई थी। इसके बाद सांसदों, विधायकों, मंत्रियों, पूर्व विधायकों, पूर्व सांसदों ने यहां फ्लैट बुक कराए थे। हालांकि, फ्लैट बनने के दौरान की गई बुकिंग के बाद भी कई फ्लैट खाली रह गए। इसके बाद सरकार की अनुमति से आवास संघ ने आईएएस, आईपीएस और अन्य सीनियर अधिकारियों को भी यहां के फ्लैट बेचे हैं।

सोसाइटी में 368 फ्लैट्स हैं

कॉलोनी के रहवासी पूर्व बीजेपी विधायक अजीत सिंह ने बताया कि सोसाइटी में 368 फ्लैट्स हैं। जिसमें पूर्व विधायक और सांसदों के फ्लैट शामिल हैं। हालांकि अधिकांश लोगों ने यह फ्लैट ब्रोकर्स के माध्यम से किराए पर दे रखे हैं। कई फ्लैट्स में अनैतिक कार्य किए जा रहे हैं। कई फ्लैट्स में कमर्शियल वर्क किए जा रहे हैं। इसकी इसकी शिकायतें आवास संघ सहित स्थानीय पुलिस से कई बार की जा चुकी है। न ही पुलिस ने यहां ध्यान दिया और न ही आवास संघ ने। घटना के लिए सोसाइटी की सिक्योरिटी भी जिम्मेदार हैं।

भोपाल के शालीमार अपार्टमैंट के फ्लैट में घुसकर मारी थी गोली

गोलीकांड के आरोपियों का जुलूस निकाला

विश्वास का तीर

भोपाल के वीआईपी रोड कर्बला के नजदीक शालीमार अपार्टमैंट में स्थित फ्लैट में घुसकर 6 से अधिक बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर को शनिवार-रविवार की दरमियानी रात गोली मार दी थी। उसके सिर में भी तलवार से वार भी किए गए थे। घायल को इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है। मामले में पुलिस ने घायल युवक की पत्नी की शिकायत पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। एफआईआर में चार आरोपियों को नामजद किया था। इसमें तीन मुख्य आरोपी फीरोज उर्फ बाबा, आदिल उर्फ बच्चा और शाहिद अंसारी उर्फ इटारसी को विदिशा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें आर्मस एक्ट की कार्रवई के बाद विदिशा जेल भेज दिया था।घटना के पांच दिन बाद कोहेफिजा पुलिस ने केस के सेह आरोपी फरूख उर्फ मीटर निवासी जहांगीराबाद और रितिक निवासी शाहजहांनाबाद को गिरफ्तार किया। स्टेट बैंक चौराहा थाना कोहेफिजा के पास दोनों के जुलूस निकाले गए हैं।

पति को देखते ही कर दिया फायर

टीआई बिजेंद्र मर्सकोले ने बताया- शफी हसन उर्फ गोलू (37) प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। वे शालीमार अपार्टमेंट कर्बला पर रहते हैं। उनकी पत्नी सुंबुल अली ने रविवार सुबह 4 बजे थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि

रात एक बजे पति शफी के साथ खाना खाया था। इसके बाद रूम में बैठकर बातचीत कर रहे थे। तीन बजे दोनों बच्चे भी साथ थे, तभी बदमाश फिरोज उर्फ बाबा, शोएब अन्ना, शाहिद इटारसी, आदिल बच्चा और अन्य 2-3 लोग आए। सभी हथियारों से लैस थे। मेन गेट का शटर पहले ही खुला था तो वे सीधा घर में दाखिल हो गए।

फिरोज ने देखते ही फायर कर दिया

महिला ने बताया कि बदमाशों ने पति के बारे में पूछा। मैने उनके घर में नहीं होने की जानकारी दी। इसी बीच पति हॉल से निकलकर किचन की ओर गए। पति को देखते ही फिरोज ने अपने पास रखी पिस्टल से फायर कर दिया। शोएब, शाहिद और आदिल ने तलवार से हमला किया। गोली पति के पैर में लगी। जबकि तलवार से वार किए जाने के कारण पति के सिर और पीठ में चोट आई हैं। टीआई का कहना है कि फरियादी ने हमला के पीछे कोई कारण नहीं बताया है।

प्लाट को लेकर चल रहा है विवाद

शफी का एक प्लाट खानू गांव कोहेफिजा में था। इस पर कब्जे को लेकर कुछ लोगों से उसका विवाद चला था। पुलिस प्रॉपर्टी विवाद के चलते हमले के एंगल पर भी जांच कर रही है। टीआई ने बताया कि घायल शफी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। निशातपुरा थाने में उसके खिलाफ कई केस दर्ज हैं। पुरानी रंजिश के एंगल पर भी जांच कर रहे हैं।

टीचर के सुसाइड की वजह लड़की नहीं, लड़का निकला

विश्वास का तीर

छिंदवाड़ा में दो महीने पहले 54 साल के टीचर सुरेश चौरसिया ने सेक्सटॉर्शन की वजह से सुसाइड कर लिया था। चौंकाने वाली बात यह है कि चौरसिया ने जिसकी वजह से सुसाइड किया, वो लड़की नहीं बल्कि लड़का निकला। उम्र भी सिर्फ 13 से 14 साल के बीच है। उसे 5 अगस्त को राजस्थान के डीग जिले से स्थानीय पुलिस ने ही पकड़ा है। अमरवाड़ा के गंज बाजार में रहने वाले सुरेश चौरसिया हिवरासानी स्कूल में टीचर थे। उन्होंने 11 जून 2024 को सेक्सटॉर्शन की डिमांड से परेशान होकर घर में जहर पी लिया था। सुसाइड नोट में लिखा था, अज्ञात लोगों की धमकी से तंग आकर यह कदम उठा रहा हूं। चौरसिया को जिन मोबाइल नंबर से फोन और वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल किए गए, पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस कर रही थी। 5 दिन पहले अमरवाड़ा पुलिस की टीम जब डीग जिले के कामा थाने पहुंची तो उन्हें नाबालिग आरोपी मिला। पता चला कि उसने खुद को ब्यूटीशियन रिया शर्मा बताकर टीचर से बात की थी। वह अपने वॉट्सऐप की डीपी पर खूबसूरत लड़की की तस्वीर लगाकर रखता था। उसने टीचर को वॉट्सऐप कॉलिंग पर किसी युवती का वीडियो दिखाया।

अब निजी सोनोग्राफी सेंटर्स पर भी गर्भवती महिलाओं की होगी फ्री जांच

काटजू अस्पताल से ई रुपी मॉडल की शुरुआत

विश्वास का तीर

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत अब चिह्नित निजी सोनोग्राफी सेंटर्स पर गर्भवती महिलाओं की मुफ्त जांच हो सकेगी। उसके लिए ई रुपी मॉडल बनाया गया है। जिसकी शुरूआत शुक्रवार से डॉ. कैलाशनाथ काटजू महिला चिकित्सालय से की जाएगी। इसके तहत सरकारी अस्पतालों में आने वाली गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी चिह्नित निजी सोनोग्राफी केंद्रों में फ्री होगी। निजी क्षेत्र के पंजीकृत सोनोग्राफी सेंटर को सोनोग्राफी के बाद डिजिटल पेमेंट पद्धति से भुगतान किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि निजी क्षेत्र के पंजीकृत सोनोग्राफी सेंटर द्वारा गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी करने हेतु सहमति ली गई है । रेफर महिलाओं की सोनोग्राफी निशुल्क की जाएगी।

आलेख

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश क्या इसके पीछे चीन का हाथ है क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं।

लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है। हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था। मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है।

ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है। भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा।

संपादकीय

बांग्लादेश के हालात से बहुत संतर्क रहना होगा

बांग्लादेश में महीनों से सुलग रही आरक्षण और सरकार विरोधी चिंगारी सोमवार को भीषण आग के रूप में फूटी। 300 लोगों की मौत के बाद सेना भी उग्र भीड़ को संभाल नहीं पाई। नतीजतन करीब डेढ़ दशक से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री शेख हसीना को जान बचाकर देश से भागना पड़ा है। शेख हसीना भागकर फिलहाल भारत आई हैं। सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना लंदन जाने की तैयारी कर रही हैं। शेख हसीना ने इंग्लैंड की सरकार से शरण मांगी है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन जारी है। अब प्रदर्शनकारियों ने देश के चीफ ऑफ जस्टिस के घर में घुसकर तोड़-फोड़ की है। प्रदर्शनकारियों ने घर में मौजूद कार, फर्नीचर के साथ घर का सारा समान लूट ले गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में इंडिया कल्चर सेंटर पर हमला बोला। साथ ही काली व इस्कॉन समेत देशभर में कम से कम चार मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक डरे और सहमें हैं। वहां क्या हालात बनेंगे? वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कैसे होगी, इस पर भारत को नजर रखनी होगी। ये भी देखना है कि सरकार कैसी बनता है? उसका भारत के प्रति नजरिया कैसा होगा? नई सरकार कहीं इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा तो नही देगी। उसका रूख पाकिस्तान और चीन संमर्थक तो नहीं होगा? भारत को अपने देश की सीमा को पूरी तरह बंद रखना होगा, ताकि वहां के हालात से डरे नागरिक अपने भारत में न आ सकें। 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने की लड़ाई में शामिल क्रांतिकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में दिए जा रहे आरक्षण को खत्म करने की मांग के साथ पिछले महीने विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदर्शनकारी आखिर फिर से इतने हिंसक होकर सड़कों पर क्यों उतर आए। असल में हिंसा की यह नई लहर तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने असहयोग का आह्वान किया। इसमें लोगों से कर या बिजली बिल का भुगतान न करने और रविवार को काम पर न आने का आग्रह किया गया। सोमवार को जब कार्यालय, बैंक और कारखाने खुले, तो प्रदर्शनकारियों ने लोगों को काम पर जाने से रोकना शुरू कर दिया। सेना ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने एक दिन पहले लगाए गए कर्फ्यू की परवाह किए बिना ढाका में प्रधानमंत्री आवास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने ढाका के शाहबाग इलाके में स्थित एक प्रमुख सार्वजनिक अस्पताल बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी पर हमला किया है। प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालयों व वाहनों में भी आग लगा दी।

रतलाम में 10 साल की बच्ची के साथ रेप...

बोल-सुन नहीं पाती, उठाकर ले गया आरोपी; मां को इशारे में बताई आपबीती

विश्वास का तीर

रतलाम में 10 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। मां - पिता के साथ सो रही बच्ची को आरोपी उठाकर ले गया। घटना बुधवार - गुरुवार की दरमियानी रात 3 बजे की है। हुसैन टेकरी पुलिस चौकी के जावरा - उज्जैन बाइपास किनारे घटना हुई है। झोपड़ी में सो रहे मां-पिता की नींद खुली तो बच्ची नहीं थी। तलाश करने पर वह 30 मीटर दूर मिली। बच्ची के परिजन जड़ी-बूटी बेचने का काम करते हैं। गुरुवार सुबह टॉयलेट करने में परेशानी होने पर मां ने पूछा, तब बच्ची ने इशारों में घटना बताई। इसके बाद परिजन ने औद्योगिक थाने में शिकायत की। पुलिस ने डॉग स्क्वायड को बुलाकर घटनास्थल पर सर्च की। वहीं, बच्ची को जावरा सिविल अस्पताल ले जाया गया। यहां से इलाज के बाद गुरुवार शाम उसे मेडिकल कॉलेज रतलाम रेफर किया गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

आरोपी की तलाश जारी

गुरुवार रात एएसपी राकेश खाखा भी जावरा पहुंचे। घटना स्थल का मौका मुआयना किया। सीएसपी दुर्गेश आर्मो ने बताया कि परिजन बच्ची को लेकर थाने पहुंचे थे। शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

6 कलेक्टर के नाम से फ्रॉड की कोशिश

वाट्सएप पर कलेक्टर की फोटो, रिश्तेदारों से मांगे पैसे

विश्वास का तीर

मध्यप्रदेश के कलेक्टर (आईएएस अफसर) साइबर ठगों के निशाने पर हैं। बीते दो दिन में साइबर ठगों ने प्रदेश के 6 कलेक्टरों के नाम पर ठगी करने की कोशिश की है। ये कलेक्टर जबलपुर, धार, सिवनी, उमरिया, शहडोल और शिवपुरी के हैं। जबलपुर कलेक्टर के नाम पर तो 25 हजार रुपए की ठगी हो भी गई। सभी मामलों की साइबर सेल जांच कर रही है। किसी भी तरह के फ्रॉड से बचने के लिए कलेक्टर ने भी लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। जबलपुर कलेक्टर का पहले भी फेसबुक अकाउंट हैक हो चुका है। इससे पहले लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के नाम से भी फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर ठगी करने की कोशिश की गई थी।

मध्यप्रदेश के कलेक्टर (आईएएस अफसर) साइबर ठगों के निशाने पर हैं। बीते दो दिन में साइबर ठगों ने प्रदेश के 6 कलेक्टरों के नाम पर ठगी करने की कोशिश की है। ये कलेक्टर जबलपुर, धार, सिवनी, उमरिया, शहडोल और शिवपुरी के हैं। जबलपुर कलेक्टर के नाम पर तो 25 हजार रुपए की ठगी हो भी गई। सभी मामलों की साइबर सेल जांच कर रही है। किसी भी तरह के फ्रॉड से बचने के लिए कलेक्टर ने भी लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। जबलपुर कलेक्टर का पहले भी फेसबुक अकाउंट हैक हो चुका है। इससे पहले लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के नाम से भी फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर ठगी करने की कोशिश की गई थी।

1. जबलपुर कलेक्टर के रिश्तेदार से ठगी

7 अगस्त को जालसाजों ने कलेक्टर दीपक सक्सेना के नाम से उनके रिश्तेदार से 25 हजार की ठगी की है। ठग ने साइबर फ्रॉड करते हुए वाट्सएप पर कलेक्टर दीपक की फोटो लगाई। फिर कई रिश्तेदारों को मैसेज किया। झांसे में आकर एक रिश्तेदार ने 25 हजार ट्रांसफर भी कर दिए गए। दीपक सक्सेना को ठगी का पता चला तो हैरान हो गए। उन्होंने फर्जी वाट्सएप नंबर ब्लॉक कर आरोपी की तलाश के निर्देश साइबर सेल को दिए हैं। कलेक्टर ने अपनी फेसबुक आईडी पर भी इस नंबर को फेक बताते हुए कहा है कि अज्ञात नंबर से उनकी प्रोफाइल फोटो लगाकर लोगों से संपर्क किया जा रहा है। जिससे लोगों को धोखा हो रहा है। उन्होंने कहा है कि इन नंबरों का कलेक्टर जबलपुर से कोई संबंध नहीं है। नंबर फर्जी हैं।

ऐसी ठगी को दिया अंजाम

ठगों ने +9989542 229570 वाट्सएप नंबर पर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना की फोटो लगाई। नंबर से कलेक्टर के कई रिश्तेदारों को मैसेज किया। मैसेज में लिखा है कि मैं जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना बोल रहा हूं। पहचान गए होंगे मुझे आप। मुझे अचानक ही 25,000 की जरूरत पड़ गई है। क्या आप मेरी मदद कर देंगे। कलेक्टर के एक रिश्तेदार ने झांसे में यूपीआई के जरिए 25,000 रुपए ट्रांसफर कर दिए गए।

2. शिवपुरी कलेक्टर के नाम से भोपाल में एडीएम को मैसेज

7 अगस्त को शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र चौधरी के नाम से बने फेक वाट्सएप अकाउंट से भोपाल में पदस्थ एवं तत्कालीन शिवपुरी एडीएम विवेक रघुवंशी के पास मैसेज पहुंचा। हाय, हैलो का मैसेज दूसरे वाट्सएप नंबर से मिला तो एडीएम रघुवंशी ने तुरंत ही कलेक्टर चौधरी से उनके व्यक्तिगत नंबर पर संपर्क किया। जब इस बात की जानकारी शिवपुरी कलेक्टर को लगी तो उन्होंने कहा कि उनका दूसरा कोई वाट्सएप अकाउंट नहीं है। मेरे नाम से किसी ने फर्जी अकाउंट बना लिया है। यदि किसी को मैसेज रिसीव होता है तो तुरंत रिपोर्ट करें और नंबर को ब्लॉक कर दें। +94785909474 नंबर से कलेक्टर के नाम और फोटो के साथ वाट्सएप अकाउंट पर श्रीलंका लिखा नंबर दिखाई दे रहा हैं। 7 अगस्त को ही धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के नाम से वाट्सएप पर अकाउंट बनाने का मामला सामने आया है। जिसमें अज्ञात व्यक्ति ने कलेक्टर की फोटो लगाकर कुछ मैसेज भी किए हैं। इधर, मैसेज करने की बात जब कलेक्टर मिश्रा तक पहुंची तो तत्काल जनसंपर्क के माध्यम से जिले में अलर्ट जारी करवाया। साथ ही पूरे मामले की सूचना साइबर क्राइम ब्रांच को दी गई हैं, जिससे फोटो का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के फोटो का इस्तेमाल कर वाट्सएप पर पैसों की डिमांड की गई। धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के फोटो का इस्तेमाल कर वाट्सएप पर पैसों की डिमांड की गई।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने 9 करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ विधान सभा के ग्राम डोडिया मीणा से कोलवा मार्ग पर स्थित शिवना नदी पर 5 करोड़ 86 लाख से निर्मित जलमग्नीय पुल का लोकार्पण किया। शिवना नदी पर निर्मित 24 लाख 90 रुपए की लागत के स्टॉपडेम का लोकार्पण किया। श्री देवड़ा ने ग्राम धमनार में 2 करोड़ 99 लाख 28 हजार रुपए की लागत से निर्मित शासकीय हाई स्कूल भवन का लोकार्पण भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि एक समय था जब यहां पर पुल नहीं था, इसके कारण ग्रामीणों को आवागमन में बहुत ज्यादा परेशानी होती थी। यहां तक की दुर्घटनाएं भी हो जाती थी, अब पुल के निर्माण हो जाने से आसपास के कई गांवों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि शिवना नदी पर निर्मित स्टॉपडेम बन जाने से 10 गांव के 5 हजार किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि पूरे मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 1 हजार करोड़ रुपए की लागत से 212 सड़कों का निर्माण किया गया है और 36 डेम निर्मित किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि अब क्षेत्र के हर खेत तक चंबल का पानी पहुंचेगा। सिंचाई को लेकर किसानों को अब किसी भी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। अपनी इच्छा अनुसार खेत पर वाल्व चालू करके किसी भी समय खेत में सिंचाई कर सकते हैं। अब बिजली पर भी किसानों को निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्रत्येक गांव में अधूरे कार्यों को पूर्ण किया जाएगा और विकास के मामले में पूरे प्रदेश में मल्हारगढ़ को नंबर एक स्थान पर लाया जाएगा। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उप मुख्यमंत्री ने पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि एक पौधा मां के नाम के तहत सभी अवश्य पौधा लगाए। उन्होंने कहा कि मां के ऋण को कभी नहीं चुकाया जा सकता है, लेकिन एक पेड़ लगाकर कर्तव्य निभाया जा सकता है।

आधी रात को खुले नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट

महाकाल मंदिर के शिखर पर स्थित है मंदिर; साल में एक ही बार होते हैं दर्शन

विश्वास का तीर

उज्जैन में महाकाल मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट गुरुवार रात 12 बजे खोल दिए गए। सबसे पहले श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरिजी महाराज और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने त्रिकाल पूजा शुरू की। करीब एक घंटे चली त्रिकाल पूजा और भोग लगाने के बाद आम लोगों को दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश दिया गया। बता दें कि नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट नागपंचमी पर साल में एक बार ही खुलते है। नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए गुरुवार रात 10 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई। दर्शन 24 घंटे यानी 9 अगस्त की रात 12 बजे तक किए जा सकेंगे। करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर में आने का अनुमान है।

शुक्रवार दोपहर में लगेगा दाल-बाटी का भोग

शुक्रवार दोपहर 12 बजे श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से पूजन किया जाएगा। इसी दिन महाकालेश्वर की संध्या आरती के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से मंदिर के पुजारी और पुरोहित पूजन करेंगे। भगवान नागचंद्रेश्वर को शुक्रवार दोपहर में दाल - बाटी का भोग लगाया जाएगा। पंचांग तिथि अनुसार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन ही मंदिर के पट खुलने की परंपरा चली आ रही है।

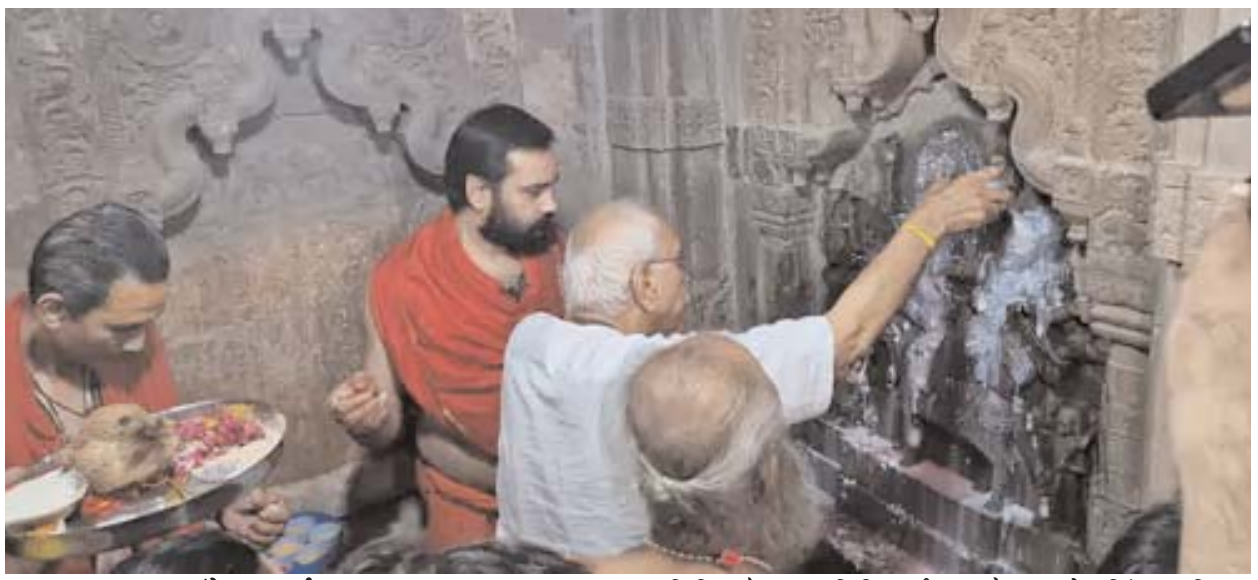

नागचंद्रेश्वर दर्शन: सामान्य श्रद्धालु

एंट्री: भील समाज धर्मशाला से तीन पंक्तियों में गंगा गार्डन, चारधाम मंदिर पार्किंग, जिगजैग, हरसिद्धि चौराहा से रुद्रसागर की दीवार के पास से विक्रम टीला होकर बड़ा गणेश मंदिर के सामने से गेट नंबर 4 और 5 के रास्ते विश्रामधाम, एयरोब्रिज होते हुए दर्शन होंगे।

एग्जिट: दर्शन के बाद एयरो ब्रिज से विश्रामधाम रैंप, मार्बल गलियारा होते हुए पालकी निकालने वाले मार्ग के पास से नवनिर्मित मार्ग से प्रीपेड बूथ तिराहा, बड़ा गणेश के सामने से हरसिद्धि चौराहा, हरसिद्धि धर्मशाला के पास से नृसिंहघाट तिराहा होते हुए।

जूता स्टैंड: भील समाज धर्मशाला के पास।

वाहन पार्किंग- हरिफाटक पुल के पास मेघदूत पार्किंग, हरिफाटक पुल के नीचे हाट बाजार पार्किंग, कर्कराज महादेव मंदिर के पास, कार्तिक मेला मैदान, त्रिवेणी संग्रहालय के सामने पार्किंग।

दिव्यांग: दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की जाएगी। इसका दायित्व कोटवारों को सौंपा जाएगा।

कोचिंग टीचर ने ब्लैकमेल कर स्टूडेंट से ढाई लाख वसूले

इंदौर में सुसाइड करने वाले छात्र के पिता का आरोप-रेप केस की दी धमकी

विश्वास का तीर

इंदौर में बी फार्मा स्टूडेंट गौरव हाड़ा के सुसाइड मामले में उसके पिता ने उसकी कोचिंग टीचर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता का कहना है कि बेटे को टीचर ब्लैकमेल कर ढाई लाख रुपए वसूल चुकी थी। वह जानती थी कि इकलौता बेटा है, इज्जत की खातिर वह जो कहेगी वो करेगा। कोचिंग टीचर के रेप के आरोप लगाने के बाद गौरव ने बुधवार को जान दे दी थी। गुरुवार को गौरव के पिता राजू हाड़ा और परिवार के चार सदस्य भागीरथपुरा चौकी पर बयान देने पहुंचे। उन्होंने दैनिक भास्कर से खुलकर अपनी बात रखी। गौरव के पिता ने बताया कि एक सप्ताह पहले बेटे को जब मैंने रुपए निकालते पकड़ा था तब उसने रोते हुए पूरी बात बताई।

गौरव के पिता ने बताई ब्लैकमेलिंग की पूरी कहानी...

गौरव के पिता राजू हाडा ने बताया, कि बेटे ने मुझसे कहा कि कोचिंग से घर आने-जाने के दौरान कोचिंग टीचर ने दोस्ती बढ़ा ली थी। वह भागीरथ पुरा इलाके में रहती थी। गौरव टू-व्हीलर से आता-जाता था। कई बार आने-जाने में उसने मदद की। इसी का फायदा टीचर ने उठाया। हम बेटे को पॉकेट मनी भी अच्छी देते थे। इसलिए उसके पास खर्च के लिए काफी रुपए रहते थे। इकलौता बेटा होने के चलते उसके शौक में कमी नहीं आने दी। शायद इकलौता बेटा होने के चलते लड़की को पता था

कि इसे ब्लैकमेल किया जा सकता है। महिला थाने के टीआई और एसआई ने भी यही कहा था कि इकलौता बेटा जेल चला जाएगा तो छुड़ाना मुश्किल हो जाएगा।

घुमाने और शॉपिंग करने के लिए बनाती थी दबाव

उन्होंने बताया कि बेटे का उसकी इंग्लिश टीचर ने काफी फायदा उठाया। वह करीब 2.5 लाख से ज्यादा रुपए वह उस पर खर्च कर चुका है। लेकिन उसके बाद भी वह और रुपए की मांग करती है। उसे घुमाने और शॉपिंग करने के लिए दबाव बनाती है। मैंने बेटे से कहा था कि उसके कॉल न उठाए और न ही मैसेज करें। इसके बाद बेटे ने उससे बात नहीं की। बेटे ने बात बंद की तो टीचर उसकी मां के साथ घर आ गई। जब मैंने उससे बेटे द्वारा दिए गए रुपए मांगे, तो वह उल्टा बेटे पर आरोप लगाने लगी कि उसने मेरे बेटे पर बहुत रुपए खर्च किए हैं। जो उसे वापस चाहिए। नहीं तो वह महिला थाने में रेप की शिकायत करेगी। इस पर उसकी मां को समझाया। लेकिन वह नहीं मानी और अपनी बेटी को सही बताने लगी। मेरे घर से वह सीधे महिला थाने गई और वहां मनगढंत आरोप लगाए।

टीआई ने बेटे के मोबाइल से डिलीट किया डेटा

गौरव के पिता ने बताया कि जब वह महिला थाने पहुंचे तो वहां गौरव ने अपना मोबाइल दिखाने की कोशिश की। इस पर एसआई ने उसके हाथ से मोबाइल छीन लिया और कहा कि हम पुलिस हैं हम सब देख लेंगे। तू होशियारी मत दिखा। हमें टीआई के केबिन में ले गए। यहां भी बुरा-भला कहा। बार-बार यही कहते रहे कि इकलौता बेटा है, अगर उलझ गया तो पसीने छूट जाएंगे। केबिन में और भी लोग बैठे थे उनके सामने भी काफी बुरा-भला कहा। बेटे के कारण मजबूर थे। इसलिए चुप रहे। जैसा उन्होंने कहा उस पर हां की और 45 हजार रुपए देकर आ गए। बेटे के मोबाइल से एसआई और टीआई ने बहुत सारी चीजें डिलीट की हैं। जिससे केस में मदद मिल सकती थी।

प्रोगाम में गए थे फिर सोने चले गए

पिता ने बताया कि जिस दिन गौरव ने यह कदम उठाया, उस दिन सब प्रोग्राम में गए थे। रात में सब थके हुए आए। पत्नी की तबीयत खराब थी तो वह सोने चली गई। गौरव ऊपर के कमरे में चला गया। वह भी जल्दी सो गए थे। बेटी को कुछ वर्क करना था, तो वह कमरे में बैठकर पढ़ाई कर रही थी। कमरे में जाने के बाद गौरव ने गलत कदम उठा लिया। पिता के मुताबिक वह सब कुछ सही करके आए थे। लेकिन उनके साथ गलत हो गया। उन्होंने महिला थाने से आने के बाद बेटे को डांटा तक नहीं था। क्योंकि उन्हें पता था कि वह ब्लैकमेलिंग का शिकार हुआ है। पूरे प्रकरण में उसकी कोई गलती नही है।

इंदौर; स्कूल बस कंडक्टर ने मासूम से की गंदी हरकत

बच्ची ने फोटो देख आरोपी को पहचाना; शिकायत पर स्कूल प्रबंधन ने किया विवाद

विश्वास का तीर

इंदौर में साढ़े तीन साल की मासूम से स्कूल के बस कंडक्टर द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी बस कंडक्टर ने मासूम बच्ची से स्कूल बस में आने जाने के दौरान गंदी हरकत की। बच्ची की दादी और पिता ने आरोपी स्कूल कर्मचारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत की है। पुलिस ने इंदौर के नामी स्कूल के कर्मचारी के खिलाफ 6 दिन बाद छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। बेटमा पुलिस के मुताबिक बुधवार को बच्ची के पिता और दादी थाने आए। उन्होंने ने अपनी शिकायत में बताया कि 1 अगस्त को बच्ची रोते हुए घर आई। उससे पूछा तो उसने बताया कि स्कूल में काम करने वाले अंकल ने उसके साथ गंदी हरकत की। इसके बाद दादी ने रात में बच्ची के पिता को पूरी बात बताई। परिवार की शिकायत पर बेटमा पुलिस ने माचल के नामी निजी स्कूल में बस कंडक्टर सत्येन्द्र तिवारी पर साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ

गलत हरकत करने के मामले में पॉस्को एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया।

कंडक्टर को देख घबराई बच्ची

घटना के दूसरे दिन बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर परिवार निजी अस्पताल ले गया। यहां उपचार के बाद तीसरे दिन बच्ची की दादी स्कूल जाने के लिए उसे स्कूल बस में बैठाने पहुंची तो कंडक्टर को देखकर वह घबरा गई। और डर के चलते बस में नहीं बैठी। जिसके बाद बच्ची के पिता और दोस्त उसे स्कूल में लेकर पहुंचे।

शिकायत पर स्कूल प्रबंधन ने भगाया

बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर परिजन स्कूल में बात करने पहुंचे। पिता ने बच्ची के साथ हुई गलत हरकत की जानकारी स्कूल प्रबंधन को दी। इस पर स्कूल प्रबंधन ने परिवार से विवाद कर उन्हें भगा दिया।

बच्ची को लेकर पुलिस के पास पहुंचे पेरेंट्स

बुधवार को बच्ची के पिता थाने पहुंचे। यहां बच्ची को स्कूल कंडक्टर और कुछ स्टाफ के फोटो दिखाए। फोटो के आधार पर बच्ची ने आरोपी की पहचान की। पुलिस को बच्ची ने सत्येन्द्र के बारे में जानकारी दी। बाद में पता चला कि बच्ची जिस बस से आती जाती थी। उसमें सत्येन्द्र कडंक्टर है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

8 महीने में 15 मामले, 5 की मौत; पुणे में जीका वायरस के सात नए केस मिले

केरल राज्य में मिला दिमाग पर असर डालने वाला वायरस

विश्वास का तीर

केरल में ब्रेन पर असर डालने वाले नए वायरस की पहचान हुई है। केरल सरकार ने इसका नाम अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस बताया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने 7 अगस्त की देर रात बताया कि जनवरी से अब तक वायरस के कुल 15 मामले सामने आए हैं। इससे 5 मरीजों की मौत हो चुकी है। उधर पुणे में भी जीका वायरस के दो महीने में सात और नए मामले सामने आए हैं। इनमें 6 प्रेग्नेंट महिलाएं शामिल हैं।

केरल के नए वायरस पर मेडिकल बोर्ड गठित

केरल में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस का सबसे पहला केस 2016 में आया था। इसके बाद 2019, 2020 और 2022 में एक-एक केस मिला था। इन सभी मरीजों की मौत हो गई थी। इस बीमारी में मरीज को बुखार, सिर दर्द, उल्टी और दिमागी दौरे पड़ते हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि नए वायरस को लेकर मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है, जो मामलो पर नजर बनाए हुए है। हालांकि अब तक कोई गाइडलाइन नहीं बनाई गई है। लेकिन वायरस से इलाज के लिए केंद्र सरकार ने दवाइयों की आपूर्ति की है। साथ ही जर्मनी से दवाइयां खरीदी जा रही हैं। इस वायरस के सबसे अधिक 7 केस तिरुवनंतपुरम से सामने आए हैं।

अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस वायरस क्या है?

इस वायरस को प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस' यानी के नाम से भी जाना जाता है। यह वायरस गंदे पानी में पाए जाने वाले फ्री-लिविंग अमीबा के कारण होता है। यह नाक की पतली त्वचा से शरीर में घुस जाता है। अमेरिका के सेंटर ऑफ डिसीज कंट्रोल के मुताबिक इस वायरस को ब्रेन इटिंग अमीबा भी कहते हैं।

पुणे में जीका वायरस के भी 8 नए केस मिले

वहीं महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को जीका वायरस के 8 नए केस मिले। इनमें 6 प्रेग्नेंट महिलाएं शामिल है। पुणे नगर निगम के मुताबिक, जून से अब तक करीब 81 मामले सामने आए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि, अब तक इस वायरस से 4 मरीजों की मौत हो चुकी है। हालांकि ये सभी मरीज अन्य बीमारियों से भी ग्रसित थे।

क्या होता है जीका वायरस?

जीका वायरस एडीज मच्छरों से फैलने वाली बीमारी है। इसमें ऑर्गेनिज्म हमारी

कोशिकाओं का इस्तेमाल करके अपनी ढेर सारी कॉपीज बना लेता है। इस बीमारी के साथ मुश्किल यह है कि ज्यादातर संक्रमित लोगों को पता नहीं चलता है कि वे जीका वायरस से संक्रमित हैं। असल में जीका वायरस के लक्षण बहुत हल्के होते हैं। इसके बावजूद यह गर्भवती महिलाओं को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। इस वायरस के कारण भ्रूण का मस्तिष्क पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता है।

जीका वायरस के क्या लक्षण हैं

जीका से पीड़ित ज्यादातर लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, जीका वायरस से संक्रमित केवल 5 में से 1 व्यक्ति में ही लक्षण दिखाई देते हैं। जो लक्षण नजर आते हैं, वे इतने कॉमन हैं कि यह अंदाज लगा पाना मुश्किल हो जाता है कि यह जीका वायरस के कारण ही है।

गर्भवती महिला की भ्रूण को खतरा ज्यादा

जीका वायरस सबसे अधिक गर्भवती महिलाओं को प्रभावित करता है। यह वायरस महिला के भ्रूण को भी संक्रमित कर सकता है और उसके विकास को बाधित कर सकता है। गर्भवती महिला में जीका वायरस प्लेसेंटा के जरिए भ्रूण तक पहुंच सकता है। जीका के कारण बच्चा माइक्रोसेफली जैसी जन्मजात मेडिकल कंडीशन के साथ पैदा हो सकता है। माइक्रोसेफली का मतलब यह हो सकता है कि बच्चे का मस्तिष्क ठीक से विकसित नहीं हुआ है। इन बच्चों का सिर भी देखने में औसत से छोटा होता है।

इसके अलावा ये लक्षण भी हो सकते है...

जन्मजात जीका सिंड्रोम: बच्चे के जन्म के समय ही कई कंडीशन दिख सकती हैं। इसमें गंभीर माइक्रोसेफली, हल्की चपटी खोपड़ी, मस्तिष्क में न्यूरॉन्स की कमी, कमोजर आंखें, जोड़ों की समस्याएं और हाइपरटोनिया जैसी समस्याएं शामिल हैं। मस्तिष्क का पूर्ण विकास न होना- इसमें न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, मस्तिष्क में फोल्ड्स न होना, मस्तिष्क में कुछ संरचनाओं का न होना और ब्रेन एट्रॉफी जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

सेरेब्रल पाल्सी: सेरेब्रल हमें ब्रेन और बाकी अंगों के बीच कोऑर्डिनेशन की क्षमता देता है और यह हमारी मसल्स को कंट्रोल करता है। अगर सेरेब्रल पाल्सी की समस्या है तो इन क्षमताओं में कमी आ जाती है। दृष्टि या श्रवण संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जन्म के समय बच्चे का वजन कम हो सकता है।

वायनाड लैंडस्लाइड में 138 लोग अब भी लापता...

विश्वास का तीर

केरल के वायनाड में 29 जुलाई की देर रात हुए लैंडस्लाइड में अब भी 138 लोग अब भी लापता हैं। गुरुवार (8 अगस्त) को लगातार 10वें दिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे में अब तक 413 लोगों की मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (10 अगस्त) को पीड़ितों से मिलने वायनाड जाएंगे। प्रधानमंत्री की स्पेशल फ्लाइट कन्नूर में उतरेगी। कन्नूर से पीएम हेलिकॉप्टर से लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद वह रिलीफ कैंप्स में पीड़ितों से मिलेंगे, जहां 10 हजार से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। मोदी के दौरे को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, कहा जा रहा है कि पीएम के दौरे के बाद वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा (लेवल-3 डिजास्टर) घोषित किया जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार (7 अगस्त) को लोकसभा में इसकी मांग की थी।

राहुल-प्रियंका 1 अगस्त को वायनाड गए थे

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी

महासचिव प्रियंका गांधी 1 अगस्त को वायनाड पहुंची थीं। यहां उन्होंने 2 दिन तक पीड़ितों से मुलाकात की। साथ ही दिल्ली में वायनाड लैंडस्लाइड का मुद्दा उठाने की बात कही थी। राहुल ने कहा था कि लैंडस्लाइड में केंद्रीय सहायता बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने वायनाड में पीड़ितों के लिए 100 से ज्यादा घर बनाने की भी घोषणा की थी। वायनाड में 29-30 जुलाई देर रात 2 बजे और 4 बजे के करीब मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुई थीं। इनमें घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां बह गईं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आर्पफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636